रो रो पुकारे तुमको कन्हैया | by Megha Sharma

रो रो पुकारें तुमको कन्हैया
तुम्हारी धरा पर कटती है गइयाँ
रो रो पुकारें.....

देती हूँ जब मैं दूध की धारा
गौ माता कहता है संसार सारा
होती हूँ बूढी ना रहती मैं मैया
बेचता इंसां मुझको कसइया
रो रो पुकारें.....

बाँध के मुझको उल्टा झुला ले
खौलते पानी से फिर नहलाते
चलती है मेरे गले पे कटरिया
आओ बचाओ मुरली धरैया
रो रो पुकारें.....

तुम गोकुल के जंगल में हमको चराते
अपने ही हाथो से हमको सहलाते
आज पुकारे तुमको वो मैया
आकर बचाओ वंश कन्हैया
रो रो पुकारें.....

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%b0%e0%a5%8b-%e0%a4%b0%e0%a5%8b-%e0%a4%aa%e0%a5%81%e0%a4%95%e0%a4%be%e0%a4%b0%e0%a5%87-%e0%a4%a4%e0%a5%81%e0%a4%ae%e0%a4%95%e0%a5%8b-%e0%a4%95%e0%a4%a8%e0%a5%8d%e0%a4%b9%e0%a5%88%e0%a4%af/